BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
www.bordernewsmirror.com
Monday
22-04-2024
www.bordernewsmirror.com
Only bilingual Newspaper

दिव्यांका की 'अदृश्यम' समेत ये सीरीज हुई रिलीज

छोटे पर्दे की एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी की वेब सीरीज 'अदृश्यम' सोनी लिव पर 11 अप्रैल को रिलीज हुई है।

-8

नॉन वीकेंड पर सुस्त हुई 'क्रू'

करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन की तिगड़ी बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है।

-8

सिद्धार्थ चोपड़ा का नीलम उपाध्याय संग रोका हुआ

सिद्धार्थ चोपड़ा जल्द शादी के बंधन में बंधने वाली हैं, इससे पहले उनकी रोका सेरेमनी हुई है।

-8

एक राष्ट्र-एक चुनाव: वर्तमान भारत की जरूरत

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को 18000 से भी अधिक पृष्ठ की अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' कराने के पक्ष को मजबूती से रखा गया।

-4

5

BRIEFLY

हिम्मत थी तो पिछले पांच साल का रिपोर्ट कार्ड देते : डॉ गुरु प्रकाश पासवान

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ गुरु प्रकाश पासवान ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा में हिम्मत थी तो आज की रैली में पिछले पांच वर्ष का रिपोर्ट कार्ड देते। जनता को बताते कि पिछले 5 साल में उन्होंने झारखंड के लिए क्या किया है। पिछले पांच साल में उनके द्वारा किए गए दावे और वादे सब खोखले रहे। उन्होंने पांच लाख नौकरियां देने का वादा किया था। हर साल एक जेपीएससी कराने की बात कही थी। सरकार के मंत्री का कहना है कि अब तक झारखंड में महज जेपीएससी से 400 नीतियां हुई है। उन्होंने कहा कि उनके पास बताने के लिए कुछ नहीं था। यही कारण है कि नकारात्मकता के आधार पर राजनीति कर रहे हैं। वे हरमू रोड स्थित मीडिया सेंटर में रविवार को संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि रैली में मंच साझा करने वाली पार्टियां का भी यही हाल है। उन्होंने कहा कि मंच साझा करने वाली पार्टियां झारखंड की निर्माता नहीं क्रेता और विक्रेता रही हैं। आदिवासी हित की बात इनके मुंह शोभा नहीं देती है। देश के सर्वोच्च पद पर आदिवासी बेटी के बैठने के पर भी उनके नेताओं द्वारा लगातार अपशब्द कहा गया। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आदिवासी बेटी को दिया गया सम्मान सहन नहीं हुआ। डॉ पासवान ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला सामाजिक न्याय और संविधान की बात करते हैं।

Trending News

उलगुलान न्याय महारैली में कांग्रेस और राजद कार्यकर्ता भिड़े, कई घायल

बीएनएम@रांची

रांची। रांची के प्रभात तारा मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से रविवार को उलगुलान रैली का आयोजन किया। इसमें देशभर के कद्दावर विपक्षी नेता शामिल हुए। महारैली के दौरान कांग्रेस और आरजेडी कार्यकर्ता आपस में भिड़ गये। जानकारी के अनुसार, चतरा से गठबंधन के उम्मीदवार केएन त्रिपाठी के गुट से मारपीट हो गई। इसमें कई कार्यकर्ता घायल हो गए। सिटी एसपी ने मामला शांत कराया है और घायलों को अस्पताल भेजा। बताया जाता है कि जब गठबंधन के नेता जनता को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच भिड़ंत हो गया। दोनों दलों के कार्यकर्ता एक-दूसरे पर कुर्सी, डंडा आदि लेकर टूट पड़े। वहां मौजूद लोगों और सुरक्षाकर्मियों ने बीच-बचाव की कोशिश की लेकिन तब तक कुछ लोगों को चोट लग चुकी थी। इससे रैली में अफरा-तफरी मच गई। रैली में शामिल लोग भागने लगे। इस दौरान कई लोग जमीन पर गिर पड़े। इस मारपीट की घटना में चतरा से गठबंधन प्रत्याशी केएन त्रिपाठी के भाई गोपाल त्रिपाठी का सिर फट गया।अब्दुल्ला ने भगवा पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की लोकप्रियता से डर गई है।

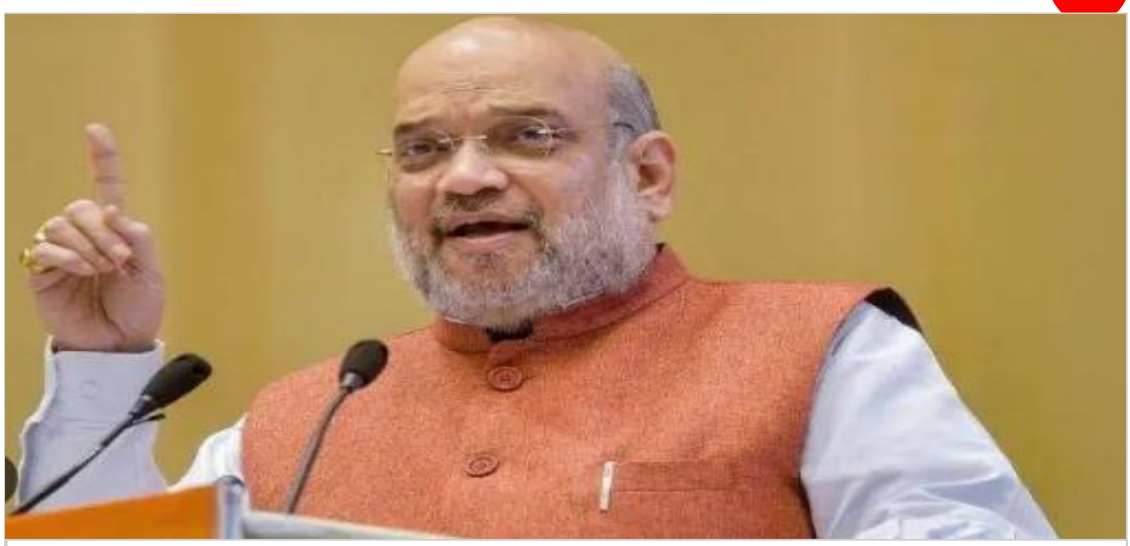

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

पीएम मोदी देश से परिवारवाद, तुष्टीकरण और जातिवादी समाप्त करने का काम किया : शाह

बीएनएम@कटिहार

कटिहार। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कटिहार में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी देश से परिवारवाद, तुष्टीकरण और जातिवादी समाप्त करने का काम किया है। राजेन्द्र स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के साथ बिहार को भी विकसित करने का काम किया। केन्द्र में 2014 से 2024 तक दस साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को 09 लाख 80 हजार करोड़ रुपये प्रदेश के विकास के लिए देने का काम किया। इसके अलावे मोदी ने 04 लाख करोड़ रुपये सड़क और पूल, एक लाख करोड़ रुपये रेलवे के विकास के लिए, दो हजार करोड़ रुपये एयरपोर्ट के उत्थान के लिए देने का काम किया। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 करोड़ से ज्यादा घरों में शौचालय, 04 हजार करोड़ पक्का घर गरीब को दिया, 10 लाख महिलाओं को धुंआ से मुक्ति के लिए उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन, 14 हजार घरों में नल का जल सहित कई जनहित में लोगों के लिए बीते 10 साल में काम किया। जबकि 2014 से पहले 10 साल में कांग्रेस और लालू की सरकार ने बिहार को मात्र 02 लाख 80 हजार करोड़ रुपये दिया।

ED ने शराब 'घोटाला' मामले में सेवानिवृत्त IAS अधिकारी टुटेजा को किया गिरफ्तार

बीएनएम@रायपुर

रायपुर । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में 2,000 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में सेवानिवृत्त आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अधिकारी अनिल टुटेजा को गिरफ्तार कर लिया। आधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी ने 2003 बैच के अधिकारी को शनिवार को रायपुर स्थित आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू)/भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के कार्यालय से हिरासत में लिया, जहां वह और उनके बेटे यश टुटेजा इसी मामले में अपना बयान दर्ज कराने पहुंचे थे। बयान दर्ज कराने के लिए ईओडब्ल्यू/एसीबी कार्यालय में तलब किया था, जिसके बाद उन्हें यहां केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय में ले जाया गया। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी से पूछताछ की गई और बाद में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत उन्हें हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ के बाद यश टुटेजा को जाने दिया गया। ईडी के वकील सौरभ पांडे ने बताया कि अनिल टुटेजा को न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां से उन्हें एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

उलगुलान न्याय महारैली में केंद्र सरकार पर जमकर बसरे आईएनडीआईए के नेता

बीएनएम@रांची

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की उलगुलान न्याय महारैली में रविवार को राज्य सरकार के मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि तानाशाही रवैया के तहत एकजुट होकर केन्द्र की सरकारी को सत्ता से बेदखल करना होगा। चुनाव में केंद्र सरकार को सबक सिखाएंगे। झामुमो के विनोद पांडे ने कहा कि यह महारैली जल, जंगल, जमीन लूटने वालों के खिलाफ उलगुलान है। सरकारी संपत्ति को बेचने वाले, बेरोजगारी के खिलाफ, महंगाई जैसी व्यापक तमाम समस्याओं के खिलाफ उलगुलान है, जिससे पूरा देश त्रस्त है। धुर्वा के प्रभात तारा मैदान में आयोजित उलगुलान न्याय महारैली में शिव सेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मुझे कहा गया कि दिल्ली और झारखंड में दो मुख्यमंत्रियों के खिलाफ ज्यादती हो रही है। झूठे केस कर जिस तरह नेताओं को फंसाने का काम किया जा रहा है। आने वाले चार जून को आईएनडीआईए की सरकार बनेगी। भाकपा माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि कल्पना सोरेन को उपचुनाव लड़ना है और लोकसभा का चुनाव भी है। अब एक-एक वोट का चोट लगाकर गठबंधन को विजय बनाएं। उन्होंने कहा कि दिल्ली और झारखंड के मुख्यमंत्री को जानबूझकर फंसाया गया। इस दमनकारी नीति के खिलाफ अब आवाज उठाने की जरूरत है।

राजद में शामिल हुए चौधरी महबूब अली कैसर, बनाये गये राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

बीएनएम@पटना

पटना। रालोजपा (पारस गुट) में जुड़े खगड़िया के निवर्तमान सांसद चौधरी महबूब अली कैसर ने राजद का हाथ थाम लिया। रविवार को राजद कार्यालय में तेजस्वी यादव ने उन्हें राजद की सदस्यता दिलायी। चौधरी महबूब अली कैसर के साथ उनके बेटे युसूफ कैसर राजद के दफ्तर में मौजूद थे। महबूब अली कैसर ने राजद की सदस्यता के साथ महबूब अली कैसर को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी बनाया है। महबूब अली कैसर को राजद की सदस्यता दिलाने के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि महबूब अली कैसर ने संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए यह फैसला लिया है। यहां दो खेमा है। एक तलवार बांटने वालों का और एक हमलोगों का जो कलम बांट रहे हैं। अब कैसर साहब ने जो निर्णय लिया है, उससे बिहार और देशभर में एक सन्देश गया है। इनके निर्णय से पूरे देश और राज्य में जो भी निर्णय जाएगा वह देश को बचाने वाला होगा। महबूब अली कैसर दो बार खगड़िया से सांसद रह चुके हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उनको काफी वोट भी मिले थे लेकिन वर्ष 2024 में उन्हें उनकी पार्टी ने टिकट नहीं दिया। इसे देखते हुए महबूब अली कैसर राजद में शामिल हो गये। वहीं, महबूब अली कैसर ने कहा कि हमने घर वापसी की है. उससे मुझे काफी खुशी है. 17 महीने में तेजस्वी यादव ने लोगों को 5 लाख नौकरी दी. तेजस्वी यादव का मैं बहुत बड़ा फैन हूं. चिराग पासवान ने मेरे साथ गद्दारी की है. जब तक जान रहेगा तब तक राजद की मजबूती के लिए काम करूंगा. बता दें कि चौधरी महबूब अली कैसर को राजद ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है. चौधरी महबूब अली कैसर पहले भी आरजेडी में रह चुके हैं. वो बाद में लोजपा से खगड़िया के सांसद बने. इस बार भी वो एलजेपी आर के टिकट से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन चिराग पासवान ने टिकट नहीं दिया. दरअसल लोकसभा चुनाव में एनडीए में शामिल रालोजपा (पारस गुट) को एक भी सीट नहीं मिली थी। इससे पशुपति पारस खुद भी नाराज थे। खगड़िया से राष्ट्रीय लोजपा के सांसद महबूब अली कैसर अचानक चिराग से मिलने पहुंचे थे और पारस की पार्टी छोड़ने का एलान कर दिया था। इसके बाद कयास लगाये जा रहे थे कि कैसर चिराग की पार्टी में शामिल होंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

NEWS IN BRIEF

आग लगने से नगदी समेत करीब 6 लाख की समान जलकर खाक

मोतिहारी - घोड़ासहन श्रीपुर रोड स्थित शाकम्भरी धर्मशाला के निकट जय श्रीराम स्वीट्स नामक होटल में अचानक आग लगने से नगदी 50 हजार समेत करीब 6 लाख की समान जलकर खाक हो गया। घटना शनिवार की देर रात की बताई जा रही हैं। जहां आग लगने से नगदी करीब 50 हजार समेत एक बाइक, दो फ्रिज, शोकेस, फर्नीचर का समान, इनवर्टर व बैटरी, बर्तन, राशन का समान, सीसीटीवी कैमरा व डीवीआर, पानी टंकी, मोटर आदि कीमती सामान जलकर स्वाहा हो गया। सूचना पर पहुंची अग्निशमन विभाग के वाहन ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया तबतक सबकुछ जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण समाचार लिखे जाने तक नहीं चल सका है। इस संबंध में पीड़ित दुकानदार चिरैया थाना अंतर्गत बरैठा गांव निवासी राजेश चौरसिया ने बताया कि देर रात दुकान बन्द कर अपने दुकान के 4 स्टॉफ के साथ दुकान बन्द कर सो गया था। अचानक दुकान में सोए एक स्टाफ ने मुझे जगाकर आग लगने की जानकारी दी।

होटल में रखे गैस सिलेंडर विस्फोट के बाद स्थिति और भयावह हो गई मगर उनलोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचना देते हुए आग बुझाने में मदद करने लगे। वहीं सूचना के बाद अग्निशमन विभाग के वाहन घटना स्थल पर पहुंच काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया तबतक दुकान के अंदर रखे उक्त सभी समान जलकर राख हो गया। इधर घटना के बाद आसपास के लोगो मे अफरातफरी मच गई। समय रहते अग्निशमन विभाग ने आग पर काबू पा लिया नही तो अगल बगल के दुकाने भी आग चपेट में आ जाते जिससे काफी क्षति हो सकता था।

शिव पार्वती की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई भव्य कलश यात्रा

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के कोटवा प्रखंड अंतर्गत बड़हरवा कला पश्चिमी टोला लक्ष्मनवा हसनपुर गाव में शिव पार्वती की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा गाजे - बाजे व हाथी - घोड़े के साथ स्थानीय जग स्थल परिसर से हसनपुर, कोनहवा, अम्मापार के रास्ते बडहरवा राज घाट पर पहुचीं।आचार्य रौशन दुबे के वैदिक मंत्रोचार के बीच जल भरा गया। कलश यात्रा में 501 कन्याओं ने माथे पर कलश लेकर जय शिव के जयकारे के साथ नगर भ्रमण कर मंदिर परिसर में पहुचे। पूजा का कार्यक्रम 20 अप्रैल को जल यात्रा, 21 अप्रैल को पञ्चांग पूजन व बेदी निर्माण, 22 अप्रैल को बेदी पूजन,23 अप्रैल को नगर परिक्रमा 24 अप्रैल प्राण प्रतिष्ठा और अष्टयाम के साथ ही 25 अप्रैल को यज्ञ सम्पन्न होगा।

डॉ.राजेश कुशवाहा पर आचार संहिता उल्लघंन का मामला दर्ज

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी ।जिले के मेहसी और अरेराज थाना में पूर्वी चंपारण लोकसभा सीट से महागठबंधन (वीआईपी) के उम्मीदवार डॉक्टर राजेश कुशवाहा पर रविवार को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। दोनो थाना में मजिस्ट्रेट के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई। बताया गया है कि डॉ राजेश कुशवाहा पूर्वी चंपारण लोकसभा से महागठबंधन की ओर से अपनी उम्मीदवारी तय होने के बाद शनिवार को मोतिहारी पहुंचे। इस दौरान मेहसी के मंगुराहा में उनके स्वागत में आए समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी।फिर वहां से एक काफिले में आगे बढ़ने के इस क्रम में जगह जगह लोगो की भीड़ जुटती गयी। जैसे ही उनका काफिला अरेराज पहुंचा तो वह भारी जुलूस में बदल गई। हालांकि इसकी कोई अनुमति नहीं ली गई थी, जिसको लेकर उनके विरुद्ध आदर्श आचार संहिता का मामला दर्ज किया गया है। चकिया एसडीओ ने बताया कि बिना अनुमति के भीड़ एकत्रित करना और जुलूस निकालना आदर्श आचार संहिता उल्लंघन है।ऐसे में मेहसी थाना में मजिस्ट्रेट के बयान पर वीआईपी उम्मीदवार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। अरेराज एसडीओ अरुण कुमार ने बताया कि वीआईपी उम्मीदवार डॉ राजेश कुशवाहा ने बिना अनुमति के बड़ी संख्या गाड़ियो में पार्टी का झंडा लगाकर रोड शो किया और भीड़ इकठ्ठा किया जो आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है।

आग से लाखों की संपत्ति जलकर हुआ राख

बीएनएम@

संग्रामपुर प्रखंड क्षेत्र के उत्तरी मधुबनी पंचायत के वार्ड 13 के मधुबनी पासवान टोला में रविवार की दोपहर अचानक आग लगने से दर्जनों घर जलकर राख हो गया। पीड़ितों परिवारों में हरिशंकर यादव,हरि पासवान, राजेंद्र पासवान, राजू पासवान, बिक्रमा पासवान, रामायण पासवान, रविंद्र पासवान, लालबाबू पासवान, शिवनाथ पासवान,सुखल रावत ,रामशरण ठाकुर, नरेश ठाकुर व मुन्ना ठाकुर का नाम शामिल हैं। उत्तरी मधुबनी पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष रवि सिंह के द्वारा सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और ग्रामीणों के द्वारा दो बोरिंग व पंप सेट से पानी का व्यवस्था कर किसी तरह आग पर काबू पाया गया। मधुबनी पासवान टोला के आग से उड़ी लुक उड़ कर लगभग 300 मीटर की दूरी पर जाकर रामशरण ठाकुर के घर पर गिर गया जिससे वहां भी तीन लोगों का घर जल कर रख हो गया। आग से तीन बाइक,सहित सात बेरी में रखे लगभग 100 क्विंटल धान सहित खधान्न,आभूषण सहित अन्य समान जलकर राख हो गया।

स्नातक प्रथम सेमेस्टर में नामांकन प्रारंभ

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। इंटरमीडिएट परीक्षा में सफल छात्रों का स्नातक प्रथम सेमेस्टर में नामांकन को लेकर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। शहर के एलएनडी कॉलेज के प्रति विद्यार्थियों में काफी आकर्षण है। विगत वर्षों में इस महाविद्यालय ने शिक्षा, खेल-कूद, सांस्कृतिक गतिविधियों, एनएसएस, एनसीसी कार्यक्रमों, शोध कार्य,आलेख प्रकाशन में उत्तरोत्तर विकास किया है। राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर कई पदकों को जीतकर न केवल इस महाविद्यालय अपितु इस शहर का भी मान बढ़ाया है। इस महाविद्यालय में स्नातक कला और विज्ञान विषयों को मिलाकर कुल 3743 सीट है जबकि बीसीए व बीबीए में 50-50 और बीएड में 100 सीटें हैं। कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि हिंदी में 236, अंग्रेजी में 111, उर्दू में 46, अर्थशास्त्र में 436, मनोविज्ञान में 374, भूगोल में 561, इतिहास में 450, दर्शन शास्त्र में 46, राजनीति विज्ञान में 450, आर्ट्स जेनरल में 122, भौतिकी में 259, रसायन शास्त्र में 129, गणित में 188, जूलॉजी में 129, बॉटनी में 84, साइंस जेनरल में 122 सीटें नामांकन के लिए उपलब्ध हैं। इस महाविद्यालय में परंपरागत विषयों में शिक्षकों के कुल स्वीकृत पद 38 के मुकाबले 14 स्थाई प्राध्यापक तथा 7 अतिथि प्राध्यापक कार्यरत हैं।

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि स्नातक से लेकर स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई होती है और छात्र/छात्राओं के हर सुविधाओं का भरपूर ख्याल रखा जाता है। शैक्षणिक गुणवत्ता की बेहतरी के लिए महाविद्यालय ने कई सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों से एमओयू साइन किया है। आधुनिक सुख सुविधाओं से युक्त नवनिर्मित समृद्ध पुस्तकालय का उद्घाटन भी शीघ्र होने वाला है।

कॉलेज में हिन्दी,राजनीति विज्ञान,इतिहास,भूगोल,अर्थशास्त्र, भौतिकी, रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर की पढ़ाई भी प्रारंभ हो चुकी है।

Affiliation No. 330611

LAKSHYA RAJ PUBLIC SCHOOL

Affiliated to CBSE, New Delhi

(A unit of Lakshya Raj Educational and Charitable Trust)

(From I to Std. XII, (10+2)

English Medium CBSE Curriculum

ADMISSION OPEN

FOR NEW SESSION

In Grades III- IX & XI

Our Benefits :

- Small Class Sizes
- Big Room Sizes
- Loving Atmosphere
- Best Education Plans
- Beautiful Background
- Wide Study Rooms

LAKSHYA RAJ KIDZEE

FREE ADMISSION OPEN

FOR 2024-25

Mob.- 9128562441

Venue: Mission Chowk, Pataura

Infornt of Durga Mandir, Motihari

BORDER NEWSMIRROR

Editorial

Monday 22 April 2024

कैसे देखते-देखते बदलने लगा कश्मीर

अगर किसी ने फैसला ही कर लिया है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करना नहीं छोड़ेगा तो बात अलग है, पर हाल ही में उनका (मोदी जी) श्रीनगर यात्रा के समय जिस तरह का उमंग और उत्साह के साथ स्वागत हुआ उससे सारा देश आश्वस्त महसूस कर रहा है। एक यकीन होने लगा है कि अब कश्मीर देश की मुख्यधारा से जुड़ गया है। प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब अविश्वसनीय था। सभा स्थल बख्शी स्टेडियम में मोदी जी का भाषण सुनने के लिए हजारों लोगों की वक्त से बहुत पहले से ही लाइनें लग गई थीं। इनमें कश्मीरी औरतें भी भारी संख्या में थीं। याद नहीं आता कि जब किसी प्रधानमंत्री का घाटी में इतना गर्मजोशी से स्वागत किया गया हो।इसके पहले लगभग चालीस वर्ष पहले पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी का लगभग ऐसा ही स्वागत हुआ था श्रीनगर में । प्रधानमंत्री की सभा की समाप्ति के बाद लोगों के चेहरों पर प्रसन्नता और आशा की मिली-जुली रेखाओं को पढ़ा जा सकता था। एक खबरिया टीवी चैनल को स्थानीय निवासी गुलाम भट्ट कह रहे थे, "मुझे यकीन है कि पीएम मोदी हमारी सेवाओं को नियमित कराएंगे। वह अकेले ही इसे पूरा कर सकते हैं। जम्मू-कश्मीर में अब तक सभी सरकारों ने हमसे केवल खोखले वादे किए हैं।" रैली में इतनी बड़ी संख्या में आए लोगों की सुरक्षा के प्रबंधन में स्थानीय पुलिस सबसे आगे थी। जनता ने पुलिस द्वारा बताए गए हर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के उप-निरीक्षक सुलेमान खान ने कहा, "यह पीएम मोदी की वजह से हुआ है। अब हमारी वर्दी का सम्मान है। हमने कश्मीर में वह दौर भी देखा है, जब पुलिसकर्मी पत्थरबाजों और राष्ट्र-विरोधी तत्वों के डर से अपना पहचान पत्र नहीं रखते थे। कश्मीर में यह परिवर्तन किसने संभव किया? यह मोदीजी और उनका दृढ़ संकल्प है कि कश्मीर में कानून का शासन वापस आया।" मुझे मेरे कश्मीर में रहने वाले कई मित्रों ने बताया कि रैली के बाद लोग कश्मीर में अपने परिवार और दोस्तों के साथ रैली के बारे में जिस तरह से बातें कर रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि लोग खुद स्वेच्छा से वहां पहुंचे थे।

कौन करता है नौकरीपेशा औरतों को परेशान

आर.के. सिन्हा

अब सामाजिक, व्यापारिक, संस्थागत जीवन का शायद ही कोई इस तरह का क्षेत्र बचा हो, जिधर महिलाएं नौकरी के लिए न जाती हों। खेत-खलिहानों, बैंकों,सरकारी और निजी दफ्तरों से लेकर घरों में चूल्हा-चौका करके अपने परिवार की आर्थिक मदद करने में आधी दुनिया किसी भी तरह से मर्दों से पीछे नहीं हैं। कहा जा सकता है कि अब देश में करोड़ों महिलाएं कार्यशील हैं। देश में बढ़ती साक्षरता के चलते नौकरीपेशा औरतों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। जाहिर है, उन्हें घरों से निकलकर अपने दफ्तरों और फैक्ट्रियों में तो जाना होता ही है। आपको हजारों औरतें विभिन्न संस्थानों में नाइट ड्यूटी करते हुए भी मिलेंगी। पर अपने दफ्तर या फिर स्कूलों-कालेजों में जाने वाली लड़कियों और महिलाओं को कुछ विक्षिप्त मानसिकता के लोग परेशान करते रहते हैं। वे उनके (महिलाओं) के पीछे पड़ ही जाते हैं। उन्हें वे तरह-तरह से परेशान करते हैं। इस हरकत को अंग्रेजी में कहते हैं 'स्टॉकिंग'। दिल्ली पुलिस ने हाल ही में एक इस तरह के शख्स को पकड़ा जो एक कार्यशील महिला का लगातार पीछा कर रहा था। यह तो सिर्फ एक उदाहरण मात्र है। इस तरह के तमाम केस पुलिस के सामने आते ही रहते हैं। किसी महिला का हाथ धोकर पीछा करना यौन उत्पीड़न का एक गंभीर रूप है और भविष्य में होने वाली किसी गंभीर घटना की पहली चेतावनी भी है। बेशक, पीड़िता को चुपचाप सहने के बजाय आगे आना चाहिए और अपने साथ हो रहे अपराध की रिपोर्ट पुलिस को करनी चाहिए ताकि इसे शुरु में ही ख़त्म किया जा सके। एक बात समझ लें कि किसी सिरफिरे का किसी महिला का पीछा करना प्रारंभिक चरण है; उसका अंतिम इरादा महिला के साथ छेड़छाड़ या बलात्कार ही हो सकता है। राजधानी दिल्ली के न्यू सीमापुरी इलाके में हजारों मेहनतकश लोग छोटे-छोटे घरों में रहते हैं। यह अधिकतर उत्तर प्रदेश,बिहार, झारखंड, बंगाल, उड़ीसा से और अनेकों बांगलादेशी हैं। अब बांग्लादेशियों के पास वैसे तो अवैध आधार कार्ड वगैरह सब कुछ है। यहां पर रहने वाली बहुत सारी महिलाएं अपने इलाके में चलने वाली 'महिला पंचायत' में अपने साथ घरों में होने वाले उत्पीड़न से लेकर घरों के बाहर उनका पीछा करने वालों की शिकायत करने के लिए आती हैं। आगे बढ़ने से पहले बता दें कि इस महिला पंचायत में पीड़ित महिलाओं को उनके कानूनी हकों के बारे में पंचायत में काम करने वाली काउंसलर विस्तार से जानकारी देती हैं और उनकी समस्या का समाधान खोजती हैं। इस महिला पंचायत, जिसका संबंध दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी से है, के प्रबंधक फादर सोलोमन जॉर्ज बताते हैं कि कार्यशील औरतों के पीछे पड़ने के मामले बहुत तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। किसी महिला का पीछा करने वाले शख्स पीड़ित महिला को फोन पर अशलील मैसेज भी भेजते रहते हैं। वह दिन भर और देर रात तक उसे फोन करके परेशान करते हैं। महिला के घर से निकलने पर वह उसे छूने या बात करने की चेष्टा करते हैं। इस कारण से बहुत सारी औरतें नौकरी छोड़ने तक के बारे में सोचने लगती हैं। अनेकों किशोरियां डर के मारे पढाई भी छोड़ देती हैं। दिल्ली में सेंट स्टीफंस कॉलेज के बाद अब हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल स्थापित करने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी से जुड़े हुए फादर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि जो लोग स्टॉकिंग में शामिल होते हैं, वे बहुत मोटी चमड़ी वाले दुष्ट अपराधी होते हैं। सख्ती से मना करने के बाद भी वे बेशर्मी से महिला का पीछा करते रहते हैं।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

Today's Opinion

एक राष्ट्र-एक चुनाव: वर्तमान भारत की जरूरत

सिद्धार्थ पराशर

पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनी विश्लेषण समिति ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को 18000 से भी अधिक पृष्ठ की अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' कराने के पक्ष को मजबूती से रखा गया। इसमें देश के सभी चुनावों को दो चरणों मे पूर्ण करने की दलील दी गयी है। पहले चरण में आमचुनाव के साथ विधानसभा चुनाव तथा दूसरे चरण में सभी ग्रामीण और शहरी निकाय चुनाव; किन्तु देशहित और समाजहित की बातों को अपने अंदर समाहित किए हुए इस रिपोर्ट के सामने आते ही देश में सियासी हलचल बढ़ने लगी है । कई राजनीतिक दलों को ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इससे उनकी रेवड़ी संस्कृति को नुकसान होगा और चुनाव विचारधारा-आधारित होने लगेंगे, जिससे उनकी सियासी दुकान बंद हो सकती है । यही कारण है कि अभी तक 47 प्रमुख दलों में से 15 ने इस रिपोर्ट को अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक बताकर इसका विरोध किया है ताकि उनकी सियासी बुलेट अनवरत चलती रहे । यदि एक राष्ट्र एक चुनाव की बात कि जाए तो यह निर्वाचन प्रक्रिया का कोई नया तरीका नहीं है जिससे भारतीय परिचित न हों । आजादी के बाद शुरुआती 4 चुनाव इसी प्रक्रिया के द्वारा हुए थे- आम चुनाव के साथ राज्यों के विधानसभा-चुनाव । हमारे संविधान-निर्माताओं ने काफी वाद-विवाद के बाद इसके गुणों को देखते हुए यह प्रावधान अपनाया था । इसे क्रियान्वित करने में तत्कालीन कांग्रेस सरकार का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है किन्तु बाद के कालखंडों में राज्य सरकारों के बीच-बीच में गिर जाने के कारण यह सिलसिला टूट गया। यहां सबसे रोचक बात यह है कि आज जो दल सबसे अधिक इसके विरोध में है, वह कांग्रेस ही है। इसके अलावा आप, सपा, बसपा, भाकपा, टीएमसी और अन्य वाम दल सहित कुल 15 दल इसके विरोध में हैं। पूर्व में इसको क्रियान्वित करके अब इसका विरोध करते हुए कांग्रेस अपनी विश्वसनीयता को ही कठघरे में ला रही है। इस रिपोर्ट को क्रियान्वित करने में जो सबसे बड़ी समस्या सामने आएगी, वह है चुनाव आयोग के पास ईवीएम की कमी । लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने हेतु आयोग को 40 लाख मशीनों की आवश्यकता है, किन्तु अभी केवल 20 लाख मशीन ही उपलब्ध हैं। ऐसे में ईवीएम की कमी को पूरा करना एक बड़ी चुनौती साबित होगी । दूसरी बड़ी समस्या भारतीय संविधान के अनुच्छेद 83(2) और 172 में संशोधन कर बिल पास करने में आ सकती है। इन अनुच्छेदों में ऐसा लिखा है कि लोकसभा और विधानसभा का कार्यकाल 5 वर्ष का होगा। यदि एक साथ चुनाव कराने की दिशा में सरकार कोई कदम उठाती है तो अधिकांश राज्यों में मध्यावधि चुनाव कराने पड़ सकते है। जाहिर है कोई भी राज्य-सरकार इसके लिए राजी नहीं होगी और सरकार को विरोध का सामना करना पड़ सकता है । बिल के विरोध में जितने क्षेत्रीय दल सामने आए हैं उनका कहना है कि इस प्रक्रिया से क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा, क्योंकि एक साथ चुनाव होने से क्षेत्रीय मुद्दे जो भी हैं, वे राष्ट्रीय मुद्दों की सरगर्मी में दब जाएंगे। इससे भारत में सत्ता के विकेंद्रित स्वरूप की स्थिति धीरे-धीरे समाप्त होती चली जायेगी। ऐसा कुछ नहीं होगा! इसके उलट, राष्ट्रीय दलों को यह भय रहेगा कि यदि किसी क्षेत्रीय मुद्दे को नजरअंदाज किया जाएगा तो लोकसभा में भी नुकसान पहुँचेगा, इससे क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दलों में संबंध मजबूत ही होंगे और विकास को गति मिलेगी। साथ ही जैसे सत्ता आज विकेंद्रित है वह यथावत बना रहेगी। इसके धरातल पर लागू होने के बाद चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कराने में होने वाले खर्च का एक बड़ा हिस्सा बचेगा, जिसे लोकहित में प्रयोग किया जा सकता है। भारत में चुनाव के खर्च को दो हिस्सों में बाँटा जाता है। पहला, राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाला व्यय तथा दूसरा, चुनाव-प्रबंधन में खर्च। एक साथ चुनाव होने से भारी धनराशि बच जाएगी, भले ही भारत में एक मत पर 1 डॉलर का खर्च आता है, जो किसी भी अन्य सभी देशों से कम है।

लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग में परास्नातक के छात्र है।

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

किडनी स्टोन इलाज की समस्त सुविधाएं

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

A MULTI SPECIALITY HOSPITAL

हमारी सुविधाएँ

- दूरबीन से Gall Bladder Surgery, CBD सर्जरी
- दूरबीन से बच्चेदानी (TLH, LAVH) की सर्जरी
- Renal Stone, Ureteric Stone की सभी सर्जरी
- पेशाब सम्बंधी सभी बीमारी का इलाज
- सभी स्त्री रोग सर्जरी एवं जेनरल सर्जरी की सुविधाएँ
- एडभांस सर्जरी में विश्वसनीयता / सारी सुविधाएँ
- सिरदर्द एवं मानसिक रोगों का पूर्ण इलाज
- 24 घंटा नॉर्मल डिलिवरी / सिजेरियन की सुविधा

डॉ. मनोज कुमार गुप्ता

MBBS, MS, FMAS Ex- SR, BSA Medical College Delhi Ex- Asst. Prof. Govt. Medical College

यूरोलॉजिस्ट एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. महेन्द्र सिंह

MBBS, MS, MCH (Urology) Ex- HOD Urology, IGIMS, Patna

सीनियर यूरोलॉजिस्ट एण्ड एण्ड्रोलाजिस्ट

डॉ. हेमन्त कुमार

MBBS,MD, (Psychiatry) BHU, Varanashi

मस्तिष्क, मानसिक, नशा एवं सेक्स रोग विशेषज्ञ

डॉ. मीना

MBBS,DGO, DNB, (OBG), FMAS

स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

Mob.- 9507919091, 07562964700, 8969970077

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी

बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

समीक्षा : टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है

विवेक रंजन श्रीवास्तव , भोपाल

किताब की शुरुवात लेखक के मन में उद्भूत विचारों से होती है. लेखक लिखता है . कम्पोजर कम्पोज कारता है. अक्षर शब्द और शब्द वाक्य बन जाते हैं, भाव मुखर हो उठते हैं. प्रकाशक छापता है. समारोह पूर्वक किताबों के विमोचन होते हैं. समीक्षक चर्चा करते हैं. किताब विक्रेता से होते हुये पाठक तक पहुंचती है. पाठक जब पुस्तक पढ़कर लेखक की वैचारिक यात्रा में बराबरी से भागीदारी करता है, तब किंचित यह यात्रा गंतव्य तक पहुंचती लगती है.

रचना के दीर्घगामी प्रभाव पड़ते हैं. लेखक सम्मानित होते हैं, पाठक रचनाकार के प्रशंसक, या आलोचक बन जाते हैं. अर्थात किताब की यात्रा सतत है, लम्बी होती है. अशोक व्यास व्यंग्य के मंजे हुये प्रस्तोता हैं. टिकाऊ चमचों की वापसी उनकी दूसरी किताब है. सुस्थापित लोकप्रिय, भावना प्रकाशन से यह कृति अच्छे गेटअप में प्रकाशित है.

सूर्यबाला जी ने प्रारंभिक पन्नो में अपनी भूमिका में पाया है कि लेखक अपने व्यंग्य कर्म में कहिं भी असावधान नहीं है. लालित्य ललित ने संग्रह के व्यंग्य पढ़कर आशा व्यक्त की है कि अपने आगामी संग्रहों में लेखक की चिंताये और व्यापक व अंतर्राष्ट्रीय हों. इस संग्रह में बत्तीस व्यंग्य हैं. पाठको के लिये विषयों पर सरसरी नजर डालना जरूरी है. अंग्रेजी घर पर है ?, अजब गजब मध्य प्रदेश , अध्यक्ष जी नहीं रहे. अध्यक्ष जी अमर रहें, आइए सरकार, जाइए, आभासी दुनिया का वास्तविक बन्दा, कलयुग नाम अधारा आपका आधार कार्ड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भारतीय तरीका, कोरोना कल्चर का प्रभाव, कोरोना की कृपा, गोद ग्रहण समारोह, जा आ आ जा आ आ दू !

जा आ आ दू , टिकाऊ चमचों की वापसी, ताली बजाओ ताल मिलाओ, दामाद बनाम फूफाजी, बुरा नहीं मानेंगे... चुनाव है, भारत निर्माण यात्रा, मध्यक्षता करा लो... मध्यक्षता, रंगबाज राजनीति, लिव आउट अर्थात छोड़ छुट्टा, विश्व युद्ध की संभावना से अभिभूत , सड़क बनाएँ, गड्ढे खोदें सतर्क मध्यमार्गी , सत्तर प्लस का युवा गणतन्त्र, साहित्यमति का बाहुबली साहित्यकार, सेवा के लिए प्रवेश, ज्ञान के लिए प्रस्थान, सोशल मीडिया के ट्रैफिक सिग्नल, हलवा वाला बजट , हाँ. मैं हूँ सुरक्षित !

होली के रंग बापू के संग, ईश्वर के यहाँ जल वितरण समस्या, जैसे दूरदर्शन के दिन फिरे और पोस्ट वाला ऑफिस डाकघर शीर्षकों से हजार, पंद्रह सौ शब्दों में अपनी बात कहते व्यंग्य लेखों को इस पुस्तक का कलेवर बनाया गया है. टाइटिल लेख टिकाऊ चमचों की वापसी से यह अंश उधृत करता हूं, जिससे आपको रचनाकार की शैली का किंचित आभास हो सके. प्लास्टिक के चमचों की जगह फिर धातुओ के चम्मचों का इस्तेमाल पसंद किया जा रहा है, यूज एण्ड थ्रो के जमाने में स्थायी और टिकाउ चमचों की वापसी स्वागत योग्य है . वह चमचा ही क्या जो मंह लगाने के बादस फेंक दिया जाये ... जैसे स्टील के चमचों के दिन फिरे ऐसे सबकें फिरें ... . अशोक व्यास अपने इर्द गिर्द से विषय उठाकर सहज सरल भाषा में व्यंग्य के संपुट के संग थोड़ा गुदगुदाते हुये कटाक्ष करते दिखते हैं .

परसाई जी ने लिखा था बलात्कार कई रूपों में होता है . बाद में हत्या कर दी जाती है . बलात्कार उसे मानते हैं जिसकी रिपोर्ट थाने में होती है. पर ऐसे बलात्कार असंख्य होते हैं जिनमें न छुरा दिखाया जाता है न गला घोंटा जाता है , न पोलिस में रपट होती है।

अशोक जी ने हम सबके रोजमर्रा जीवन में हमारे साथ होते विसंगतियों के ऐसे ही बलात्कारों को उजागर किया है, जिनमें हम विवश यातना झेलकर बिना कहीं रिपोर्ट किये गूंगे बने रहते हैं . उनकी इस बहुविषयक रिपोर्टो पर क्या कार्यवाही होगी ? कार्यवाही कौन करेगा ? सड़क पर लड़की की हत्या होती देखने वाला गूंगा समाज ? व्हाटस अप पर क्रांति फारवर्ड करने वाले हम आप ? या प्यार को कट पीसेज में फ्रिज में रखकर प्रेशर कुकर में प्रेमिका को उबालकर डिस्पोज आफ करने वाले तथाकथित प्रेमी ?

हवा के झोंके में कांक्रीट के पुल उड़ा देने वाले भ्रष्टाचारी अथवा सत्ता के लिये विदेशों में देश के विरुद्ध षडयंत्र की बोली बोलने वाले राजनेता ? इन सब के विरुद्ध हर व्यंग्यकार अपने तरीके से, अपनी शैली में लेखकीय संघर्ष कर रहा है . अशोक व्यास की यह कृति भी उसी अनथक यात्रा का हिस्सा है . पठनीय और विचारणीय है .

पुस्तक चर्चा

टिकाऊ चमचों की वापसी
अशोक व्यास
भावना प्रकाशन, दिल्ली
संस्करण २०२१
अजिल्द , पृष्ठ १२८, मूल्य १९९ रु
चर्चा... विवेक रंजन श्रीवास्तव, भोपाल

मैं कह सकता हूं कि टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है. अशोक व्यास संवेदना से भरे, व्यंग्यकार हैं . संग्रह खरीद कर पढ़यि आपको आपके आस पास घटित, शब्द चित्रों के माध्यम से पुनः देखने मिलेगा . हिन्दी व्यंग्य को अशोक व्यास से उम्मीदें हैं जो उनकी आगामी किताबों की राह देख रहा है.

एक लम्बी उड़ान सफलता की ओर

ये है जानभी चौधुरी, जो की ओड़शिा की रहने वाली है। ये एक ग्रेजुएट शिक्षक है। इन्हे संगीत गाना, पेन स्केच करना, प्रकृति फोटोग्राफी करना, सबकी मदत करना, नया कुछ सिखना और नृत्य करना बेहत पसंद है। पहले से इनको लिखना इतना पसंद नहीं था, मगर इनके जीबन में कुछ ऐसा हुआ की, वह डिप्रेशन से गुजरने लगी थी, उनकी मानसिक स्थिति का असर उनके पढ़ाई और तबीयत पर होने लगा, उनकी दशा बहुत बुरी हो गयी थी मगर तभी से उन्होंने लिखना शुरू किया, अपने अंदर के जज़्बातों को कागज़ में ज़ाहिर करना शुरू किया।

अपने हाल को शब्दों में पिरोना शुरू किया। मगर वह कभी हार नहीं मानी और डटकर अपने परिस्थिति का सामना किया और तब इनके माता -पिता ने ही इनका खोया हुआ आत्मबिस्वास बढ़ाया।

वह कहती है, सब हमे समझाने लगे मगर असर तब हुआ जब हम खुदके साथी बने, खुदसे प्यार करना सीखा और अँधेरे में गिरते -संभलते उसने अकेले रोशनी में चलना सिख ही लिया। और आज उन्हे लिखते -लिखते 3-4 साल हो गए हैं।

वह बिश्वास करती है, जो पहले लिखना

पसंद नहीं करती थी आज उसी लेखन से उसके जीबन को एक नयी दिशा दे दी है और ऐसी कोई जगह नहीं है की, जहाँ उनका लिखन न हो, उन्हे कविता, गद्य, शायरी, मोटिवेशनल स्टोरी और अनुच्छेद लिखना बहुत पसंद करती हैं।

स्टोरी मिरर पर भी उनका लिखन है और वह पॉडकास्ट भी करती है। आज न जाने कितने भटके लोगों को वह रास्ता दिखा चुकी हैं। उनका लक्ष्य है की वह सबकी मदत करें, जिस अवस्था से वह गुज़र चुकी है, उससे कोई और न गुज़रे

।वह समाज के लिए आज के युवा के लिए अपने लिखन के माध्यम से मदत करना चाहती है। उनका इंस्टाग्राम पेज है, जहाँ वह 2000+ से ज़्यादा लोगों से जुडी हुई है, अपने लिखन और वॉइस ओवर रील्स के माध्यम से। उनका लक्ष्य है, की वह कभी करोड़ों लोगों की आवाज़ बने, एक मोटिवेशनल स्पीकर बने और लोगों को प्रेरित करें। ये बहुत संकलन में काम कर चुकी है अभी भी कर रही है , बहुत संकलन में ये खुद संकलक भी रह चुकी हैं। इनकी अपनी संकलन है, कलयुग- काल का युग , दिल की बातें (Sarvad Publication), हाल -ए -ज़दिगी - The Untamned (Brown Page Publication), Culture Vs Modernity (Ek Shayar Ki Baate Publication), 90's Memories-The Nostalgia Alert (Uniq Publication) और हाली में लांच हुआ है, माँ -एक सच्ची कहानी, एक संघर्ष की निशानी (JEC Publication) और बहुत से समाचार पत्र में भी प्रकाशित हुई है। जैसे की, संस्कार समाचार, The Gram Today समाचार, Redhanded समाचार, हम हिंदूस्तानी USA (एक साप्ताहिक हिंदी बिदेशी समाचार पत्र), Coalfield Mirror समाचार, युग जागरण समाचार, दैनिक रोशनी समाचार, रुहेला टाइगर्स टाइम्स समाचार, दैनिक साहित्य समाचार, इंदौर समाचार, भारत टाइम्स समाचार, झंझट टाइम्स और राजगीर फ्रंटलाइन समाचार पत्र।इन्हे बहुत पदक, सम्मान पत्र और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है।

विश्वाकाश ग्रंथ रचनाकार के द्वारा सम्मानित पत्र प्राप्ति हुई है इन्हे। विश्वाकाश के चमकते सूर्य 2023 में मिला है इन्हे सम्मान पत्र।

इनकी पुस्तके Amazon, Flipkart पर है और Play Book Store पर भी है। और ये सफलता का श्रेय अपने ईश्वर, अपने पिता -माता और अपने करीबी लोगों को देती है।और बिश्वास करती है की अगर आत्मबिस्वास हो तो इंसान अपनी परिस्थिति का सामना कर, अपनी किस्मत खुद बदल सकता है।

संध्या चतुर्वेदी, मथुरा, उप्र

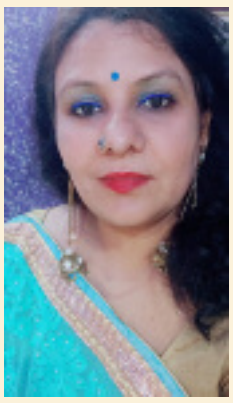

कैसी यह मुहब्बत

कैसी यह मुहब्बत है दोस्तो
कट रही रोज टुकडों में दोस्तों

जब प्यार था तब घर वार छोड़ दिया
आज उस ने ही यार प्यार छोड़ दिया

दिल से उतार फैंक दो उसे तुम
जिसने तुझे दिल से निकाल दिया

सौ टुकड़ो में कटने से अच्छा है
कि अकेले जिंदा रह लेना दोस्तों

जिंदगी जीने की सौ वजह ढूंढ लेना दोस्तों
तुम्हारे साथ जो हो रहा उस से उबर कर

दूसरों के लिए थोड़ा जी लेना दोस्तों
गम न करना मुहब्बत गंवाने का जरा भी

मिलती नहीं यह जिंदगी दुबारा तो
कुछ अपनी फिक्र कर लेना दोस्तों।।

ममता सिंह राठौर कानपुर

कदम भी अपना सफर

मोहब्बत लिखा तो पूछा यह क्या लिखा
नफरतों में यही सवाल किसके लिए लिखा।।

अरे बाबा लिखने दीजिए ख़ुद से जीने दीजिए
मन के विस्तृत आंगन में आने _ जाने दीजिए।।

अनुभवों के रंग से जिंदगी रगने दीजिए
अरे बाबा जिंदगी के स्वाद को चखने दीजिए।।

हदों के पार का ख़ामोश देखिए
मोल _तोल के बीच का झोल देखिए।।

अरे देखिए तो सही
जिंदगी का कड़वा कठोर देखिए
कदम भी अपना सफर भी अपना चलते चलिए।।

कही _सुनी कुछ _तुड़ी मुड़ी
मीठी खट्टी मिली जुली
यह जिंदगी किसकी खातिर,
मन के माफिक कौन है साथी।।

गर्मियों में बेहद फायदेमंद होता है जलजीरा

गर्मियों के मौसम में अक्सर ज़्यादा खाने का मन नहीं करता है। बजाए इसके कुछ पीने का मन करता है, कुछ ऐसा जो टेस्टी हो और रिफ्रेशिंग भी और आपके मूड को बेहतर बना सके। ऐसे में एक ही ड्रिंक है जो इन सभी चीजों को पूरा करता है और वो है जलजीरा। जी हांङ्क गर्मियों में जलजीरे से बेहतर ड्रिंक और कोई हो ही नहीं सकता है। नींबू (Lemon) और पुदीने (Mint) से बना ये ड्रिंक आपके मन को तरोताजा कर देगा। जलजीरा ताजा धनिया, सेंधा नमक, पुदीना, भुना जीरा, काली मिर्च, काली मिर्च पाउडर, काला नमक और सूखे आम पाउडर सहित विभिन्न सामग्रियों से बनाया जाता है। इतना ही नहीं यह पेट के लिए भी फायदेमंद है जानिए कैसे?

जलजीरा में काला नमक होता है, जो पाचन के लिए अच्छा होता है। यह पेट की समस्या में मदद करता है। आंतों की गैस से राहत देता है और शरीर को फिर से हाइड्रेट करता है। नींबू और पुदीने से बना जलजीरा, घबराहट और चक्कर आना की किसी भी समस्या का इलाज करता है।

यह पेट में ऐंठन, उल्टी, मासिक धर्म में ऐंठन, गठिया, आंतों की गैस और कई अन्य विकारों के उपचार में भी मदद करता है। यह आपको हाइड्रेटेड रखता है और आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालता है।

मुट्ठीभर पुदीने की पत्तियां, मुट्ठीभर धनिया की पत्तियां, कुछ आइस क्यूब्स, 1/2 इंच कद्दूकस किया अदरक, 2 टीस्पून जीरा, 1/2 टीस्पून अमचूर पाउडर, काला नमक स्वादानुसार, 2.5 ग्लास पानी, 1/2 नींबू, 1/2 टीस्पून काली मिर्च पिसी हुई

जीरा, काला नमक और अमचूर को एक साथ पीस लें। पुदीने के पत्ते और धनिया पत्ती को पर्याप्त पानी के साथ पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें।

नींबू का रस और पिसा हुआ मसाला डालें और अच्छी तरह मिलाएं। दो लम्बे गिलासों में बर्फ के टुकड़े डालें। लिक्विड को दोनों ग्लासों में डालें और सोडा के साथ टॉप करें।

विटामिन सी की कमी में सुधार करता है: चूंकि इसमें सूखे आम या 'अमचूर' पाउडर है, जो विटामिन सी में उच्च होता है। इसलिए यह प्रतिरक्षा में सुधार करने में मदद करता है और स्कर्वी को दूर रखता है।

कैलोरी बर्न करता है: कैलोरी के प्रति जागरूक लोगों के लिए, यह एक बेहतरीन ड्रिंक है जिसे वे ले सकते हैं क्योंकि यह बहुत कम कैलोरी होती हैं।

एनीमिया को रोकता है: जीरा एनीमिया को रोकने और उसका इलाज करने में मदद करता है क्योंकि यह आयरन का उत्कृष्ट स्रोत है। यह प्रतिरक्षा में सुधार भी करता है और आपके शरीर को ठंडा रखता है।

विटामिन-डी की कमी को दूर करने के लिए डाइट में शामिल करें ये खास चीजें

डॉक्टर हमेशा विटामिन-डी की कमी दूर करने के लिए धूप सेंकने की सलाह देते हैं। सूर्य की रोशनी विटामिन-डी का मुख्य स्रोत है। इसके लिए रोजाना प्रातः काल धूप में बैठें। इससे शरीर में विटामिन-डी की कमी दूर होती है।

सेहतमंद रहने के लिए संतुलित आहार जरुरी है। खानपान में कमी के चलते कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां आती हैं। इससे बचाव के लिए सर्वप्रथम अपने रहन सहन और खानपान में व्यापक सुधार करें। साथ ही रोजाना एक्सरसाइज अवश्य करें। विशेषज्ञों की मानें तो शरीर को प्रचुर मात्रा में कई प्रकार के विटामिन और मिनरल की जरूरत पड़ती है। इनमें किसी चीज की कमी से शरीर के विभिन्न अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। खासकर, विटामिन डी की कमी से शरीर और दांतों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। साथ ही मैटाबोलिक सिंड्रोम, ब्रेस्ट कैंसर, अवसाद, और डिमेंशिया आदि बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। डाइट में विटामिन-डी युक्त चीजों को जरूर शामिल करें।

आइए जानते हैं

डॉक्टर्स विटामिन-डी की कमी को दूर करने अंडे का पीला भाग खाने की सलाह देते हैं। इसमें विटामिन-डी और प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके लिए रोजाना अंडे जरूर खाएं। अंडे खाने से कई अन्य बीमारियों में भी राहत मिलता है।

डॉक्टर हमेशा विटामिन-डी की कमी दूर करने के लिए धूप सेंकने की सलाह देते हैं। सूर्य की रोशनी विटामिन-डी का मुख्य स्रोत है। इसके लिए रोजाना प्रातः काल धूप में बैठें। इससे शरीर में विटामिन-डी की कमी दूर होती है।

खासकर सूर्योदय से लेकर 10 बजे तक धूप में बैठना अधिक फायदेमंद होता है। वहीं, सूर्य के विपरत मुख में बैठकर धूप सेंकना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स डाइट में मछली शामिल करने की परामर्श देते हैं।

घर आए मेहमानों को खिलाएं सिंधी नाश्ता 'दाल-पकवान'

दाल पकवान एक सिंधी फूड है जिसको भारत में कई जगहों पर खाना बेहद पसंद किया जाता है। यह एक बहुत ही अच्छा ब्रेकफास्ट और स्नैक फूड डिश है। इसलिए आज हम आपके लिए दाल पकवान बनाने की एक आसान रेसिपी लेकर आए हैं। यह दाल और पकवान का एक बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। अगर आप नाश्ते में कुछ टेस्टी और हेल्दी खाना चाहते हैं तो ये डिश अच्छा ऑप्शन हैं, तो चलिए जानते हैं दाल पकवान बनाने की रेसिपी-

इसको बनाने के लिए आप सबसे पहले एक प्रेशर कुकर में चने की दाल को डालें। फिर आप इसमें पानी, हल्दी और स्वादानुसार नमक डालें और मीडियम आंच पर पकने के लिए रख दें। इसके बाद आप कुकर में 5 से 6 सीटी लगाकर गैस बंद कर दें और कुकर से गैस निकलने दें। फिर प एक कढ़ाई में तेल डालकर मीडियम आंच पर गर्म करें। इसके बाद आप इसमें राई डालकर अच्छे से चटकाएं। फिर आप इसमें कटे हुए टमाटर डालें और नरम होने तक पका लें। इसके बाद आप इसमें गरम मसाला और धनिया पाउडर डालें और 1 मिनट तक पकाएं। फिर आप कुकर का ढक्कन खोलकर उसमें से दाल निकाल लें। इसके बाद आप इसमें टमाटर का मिश्रण डालकर अच्छी तरह से मिला लें। फिर आप इसको करीब 2 मिनट तक मीडियम आंच पर पकाकर गैस बंद कर दें। अब आपकी दाल बनकर तैयार हो गई है। इसके बाद आप पकवान बनाने के लए सबसे पहले एक गहरे तले का बर्तम लें,र फिर आप इसमें मैदा सहित बाकी की सारी सामग्री डालकर अच्छी तरह से मिला दें। इसके बाद आप इसमें थोड़ा-थोड़ा सा पानी डालकर सख्त आटा गूंद लें। फिर आप आटे को करीब 30 मिनट तक कपड़े से ढक्कर अलग रख दें। इसके बाद आप एक कढ़ाई में तेल डालकर मीडियम आंच पर गर्म करें। फिर आप इस आटे को लेकर इसकी लोइयां बना लें। इसके बाद आप लोई को सूखे मैदे को लपेटकर रोटी जैसा बेल लें। फिर आप कांटे वाली चम्मच की सहायता से पूरी रोटी में छेद कर दें। इसके बाद आप इन रोटियों को तेल में डालकर दोनों तरफ से गोल्डन होने तक फ्राई करें ऐसे ही आप सारी रोटियों को अच्छी तरह से फ्राई कर लें। अब आपका स्वादिष्ट दाल-पकवान बनकर तैयार हो चुका है।

BNM Fantasy

Monday
22 April 2024

नॉन वीकेंड पर सुस्त हुई 'क्रू'

करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन की तिगड़ी बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। राजेश ए कृष्णन के निर्देशन में बनी फिल्म क्रू 29 मार्च को सिनेमाघरों में लैंड की थी। रिलीज के चार दिन में ही इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिला है। लोगों को क्रू की कहानी और सितारों का अभिनय दोनों ही चीजें काफी पसंद आ रही है। यही वजह है कि यह मूवी डबल डिजिट में ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। सिर्फ इंडिया में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लोग फिल्म के दीवाने हो गए हैं। अब इस मूवी के चौथे दिन का कलेक्शन सामने आ गया है। चलिए जानते हैं फिल्म ने रिलीज के बाद पहले सोमवार को कितना बिजनेस कर लिया है।

स

सिद्धार्थ चोपड़ा का नीलम उपाध्याय संग रोका हुआ

प्रियंका चोपड़ा के घर खुशियां आने वाली हैं। हाल ही में एक्ट्रेस लॉस एंजिलस से परिवार समेत भारत आई थीं। अब उनके इस विजिट के पीछे की वजह सामने आ गई है। एक्ट्रेस के भाई सिद्धार्थ चोपड़ा जल्द शादी के बंधन में बंधने वाली हैं, इससे पहले उनकी रोका सेरेमनी हुई है। जहां पूरा चोपड़ा परिवार जश्न मनाता नजर आया। प्रियंका चोपड़ा अपनी पर्सनल लाइफ को पब्लिक करने से अक्सर बचती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने फैंस के साथ ये खुशी शेयर की है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर भाई और होने वाली भाभी को बधाई दी है। प्रियंका चोपड़ा के भाई सिद्धार्थ चोपड़ा का नीलम उपाध्याय संग रोका हुआ है। दोनों एक-दूसरे को लंबे वक्त से डेट कर रहे थे। सोशल मीडिया पर नीलम अक्सर सिद्धार्थ के साथ अपनी कोजी फोटो भी शेयर करती थी। रोका सेरेमनी की भी उन्होंने फोटो शेयर की है। सिद्धार्थ चोपड़ा और नीलम उपाध्याय ने 2 अप्रैल को परिवार और दोस्तों के बीच रोका सेरेमनी की। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टा स्टोरी में भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और होने वाली भाभी नीलम उपाध्याय की फोटो शेयर की है। साथ ही रोका सेरेमनी की बधाई भी दी। इसके अलावा एक फोटो उन्होंने कपल के साथ अपनी और निक जोनस की भी शेयर की है। नीलम उपाध्याय ने अपने सोशल मीडिया पर पेज पर रोका सेरेमनी का कई फोटो पोस्ट की है। इनमें उनका परिवार साथ देखा जा सकता है। नीलम उपाध्याय भी प्रियंका चोपड़ा की तरह एक्टिंग की दुनिया से ताल्लुक रखती हैं।

दिव्यांका की 'अदृश्यम' समेत ये सीरीज हुई रिलीज

धमाकेदार होगा अप्रैल का महीना

आने वाला अप्रैल का महीना वेब सीरीज लवर्स के लिए बेहद खास होने वाला है। अप्रैल में एक या दो नहीं, बल्कि कई धमाकेदार सीरीज दर्शकों का दिल जीतने आ रही हैं। इसमें लूट सीजन 2 से लेकर दिव्यांका त्रिपाठी की अदृश्यम तक शामिल है। चलिए देखते हैं अप्रैल में आने वाली सीरीज की लिस्ट। इस सीरीज को इंग्लिश भाषा में नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकता है। इसमें पेप गार्डियोला, एर्लिंग हालैंड समेत कई सितारे दिखाई देने वाले हैं। लूट सीजन 2 शानदार अंदाज में बुधवार 3 अप्रैल 2024 को एप्पल टीवी पर लौट रहा है। इस सीरीज में माया रूडोल्फ, एडम स्कॉट और जोएल किम बूस्टर समेत कई स्टार कलाकार दिखाई देने वाले हैं। 'ये मेरी फैमिली सीजन 3' आने वाली 4 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाला है। इसमें जूही परमार, राजेश कुमार, हेतल और अंगद समेत कई स्टार्स दिखाई देने वाले हैं। इस सीरीज को मंदार कुरुंदकर ने डायरेक्ट किया है। यह सीरीज 10 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। छोटे पर्दे की एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी की वेब सीरीज 'अदृयश्म' सोनी लिव पर 11 अप्रैल को रिलीज हुईर है। इस सीरीज में 65 एपिसोड होने वाले हैं। दिव्यांका के साथ इसमें बिग बॉस के कंटेस्टेंट रह चुके एजाज खान भी दिखाई देने वाले हैं। बता दें कि वेब शो अदृयश्म का निर्देशन सचिन पांडे ने किया है। आयशा मैडन स्टारर हार्टब्रेक हाई हन्ना कैरोल चैपमैन द्वारा नेटफ्लिक्स के लिए बनाई गई ऑस्ट्रेलियाई कॉमेडी ड्रामा टेलीविजन सीरीज है। इसका दूसरा सीजन 11 अप्रैल को आएगा। क्रिस ओ'डॉड स्टारर यह सीरीज एप्पल टीवी पर 24 अप्रैल को आने वाली है। फैंस भी इस सीरीज का इंतजार कर रहे हैं।